

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम किया

सिक्क्योरिटी हो या साइबर वारफेयर चुनौतियां बेहद तेजी से आ रही हैं

सपना कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर लिया।

फाइनल मैच में दीप्ति शर्मा ने बैट और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। उन्होंने पहले 58 रन की पारी खेली। स्टार महिला ऑलराउंडर ने भारत को विश्व कप जिताने में काफी योगदान किया। उन्हें मैच के बाद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट से भी नवाजा गया। इतना ही नहीं, दीप्ति ने एक रिकॉर्ड भी दर्ज किया, दीप्ति शर्मा ऐसी पहली क्रिकेटर बन गई हैं है, जिन्होंने 200 रन और 20 विकेट लेने का कारनामा एक विश्व कप एडिशन में किया।

उन्होंने 9 मैचों में 215 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 30 का रहा और स्ट्राइक रेट 90 का। उनके बल्ले से कुल तीन अर्धशतक निकले। वहीं, गेंदबाजी में उन्होंने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया। दीप्ति ने कुल 22 विकेट लिए, जिसमें फाइनल में उनका बेस्ट बॉलिंग फिगर 5/39 का रहा।

विश्व कप फाइनल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं उनके नाम विश्व कप के एक एडिशन में बतौर भारतीय सबसे ज्यादा विकेट लेने का भी रिकॉर्ड बन गया। शुभांगी कुलकर्णी व नीतू डेविड के रिकॉर्ड को पछाड़ा, जिन्होंने एक एडिशन में 20 विकेट लिए थे।

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार कोई कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार कोई कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर एक से अधिक दुर्घटना होने पर ठेकेदारों को दंडित किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को रोकने के लिए राजमार्ग मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि बनाओ-चलाओ-हस्तांतरित करो माडल के तहत बने राष्ट्रीय राजमार्गों के किसी हिस्से पर यदि एक साल में एक से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं, तो ठेकेदारों को दंडित किया जाएगा।

साल में एक से ज्यादा एक्सीडेंट तो कॉन्ट्रैक्टर को सजा

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सड़क हादसों और एक्सीडेंट में होने वाली मौतों को रोकने के लिए हाईवे मंत्रालय ने फैसला किया है कि अगर बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर मॉडल के तहत बने नेशनल हाईवे के किसी खास हिस्से पर साल में एक से ज्यादा एक्सीडेंट होते हैं तो कॉन्ट्रैक्टर को सजा दी जाएगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

सड़क परिवहन और हाईवे सचिव वी उमाशंकर ने कहा कि हाईवे मंत्रालय ने दस्तावेज में बदलाव किया है और अब कॉन्ट्रैक्टर को फ्रैंच मांनेजमेंट करना होगा और अगर मॉडल के तहत उनके बनाए हाईवे के हिस्से पर एक खास समय में एक से ज्यादा एक्सीडेंट होते हैं तो उन्हें सुधार के कदम उठाने होंगे।

उन्होंने कहा कि अगर किसी खास हिस्से, मान लीजिए 500 मीटर में एक से ज्यादा एक्सीडेंट होते हैं तो कॉन्ट्रैक्टर पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा।

अगर अगले साल कोई एक्सीडेंट होता है तो पेनल्टी बढ़कर 50 लाख रुपये हो

माओवादी प्रभावित जिलों की समीक्षा में इनकी संख्या 46 थी अब घटकर 38 रह गई

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। भारत में माओवादी हिंसा से प्रभावित जिलों की समीक्षा में अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी, जोकि अब घटकर 38 रह गई है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार जिले शेष रह गए हैं।

माओवादियों के शीर्ष नेताओं समेत बड़ी संख्या में कैडर के समर्पण के बाद केंद्र सरकार 26 जनवरी को माओवाद मुक्त भारत की घोषणा कर सकती है। माओवादियों के खिलाफ आपरेशन में लगी सुरक्षा एजेंसियां इसे संभव बनाने की कोशिश में तेजी से जुटी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माओवाद मुक्त भारत के लिए 31 मार्च 2026 निर्धारित है।

जाएगी।

उमाशंकर ने कहा कि हाईवे मंत्रालय ने

यह समीक्षा वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015 के अंतर्गत की गई है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस नए वर्गीकरण की जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा संबंधी व्यय के अंतर्गत आने वाले जिलों की संख्या में कमी आई है। आधिकारिक रिकार्ड भी इस बात की पुष्टि करते हैं। एसआरई एक प्रमुख एलडब्ल्यूई नीति योजना है, जिसके तहत केंद्र वामपंथी उग्रवाद से लड़ने के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

3,500 दुर्घटना संभावित हिस्सों की पहचान की है।

मजबूर करने को, परिवार के सदस्यों के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए थे

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती वार्डएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार का नाम लिए बिना पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा है कि उन्हें मजबूर करने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के विरुद्ध मामले दर्ज किए गए थे।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। जजों के जिन परिवारों की कोई भूमिका नहीं थी, वे राजनीतिक संगठनों का शिकार बन गए।

वीआइटी-एपी यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस रमना ने शनिवार को कहा कि आप सभी जो यहां मौजूद हैं, अधिकतर लोग जानते हैं कि मेरे परिवार को कैसे निशाना बनाया गया और उनके विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सिर्फ मुझे मजबूर करने के लिए किया गया। उस मुश्किल दौर में किसानों के मुद्दे से सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को डराया-धमकाया गया मजबूर किया गया।

जस्टिस रमना तत्कालीन वार्डएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार के विरुद्ध किसानों

के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे, जिसमें अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में खत्म करके तीन राजधानियों के फार्मूले के तहत विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी के रूप में अपनाने का विरोध किया गया था।

ऐसे समय में जब कई राजनीतिक दलों के नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या खामोश रहे, इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें अपने संवैधानिक वादे पर कायम रहीं।

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज के समय की अनिश्चितता के बारे में बात करते हुए कहा कि सिक्क्योरिटी हो या साइबर वारफेयर, चुनौतियां बेहद तेजी से आ रही हैं।

रीवा में टीआरएस कॉलेज में छात्रों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता जैसी चुनौतियां होंगी। उन्होंने कहा, आपको और मुझे इस बात का बिल्कुल अंदाजा नहीं है कि भविष्य में क्या होने वाला है? ट्रंप आज क्या कर रहे हैं? मुझे लगता है कि ट्रंप को भी नहीं पता कि वह कल क्या करने वाले हैं।

उन्होंने कहा, चुनौतियां इतनी तेजी से आ रही हैं कि जब तक आप किसी पुरानी चुनौती को समझने की कोशिश करते हैं, तब तक एक नई चुनौती सामने आ जाती है और वही सुरक्षा चुनौतियां जिनका सामना हमारी सेना करती है। चाहे वह बॉर्डर पर हो, आतंकवाद हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, या साइबर युद्ध हो। जो नई चीजें शुरू हुई हैं उनमें स्पेस युद्ध, सैटेलाइट, केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और इन्फॉर्मेशन युद्ध शामिल हैं।

उन्होंने कहा, जैसा कि आपने ऑपरेशन सिंदूर में सुना कराची पर हमला हुआ है। ऐसी बहुत सी खबरें आईं, जो हमें भी खबर जैसी लगीं।

इन दिनों सर्दी, खांसी और बुखार सामान्य सी बात

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम, इन दिनों वायु प्रदूषण एवं अन्य कतिपय कारणों से लोगों को सर्दी, खांसी और बुखार होना अब एक सामान्य सी बात हो गई है। मगर, हाल ही में इंडियन कार्डिसिल आफ मेडिकल रिसर्च के तहत कराई गई स्टडी में यह बात सामने आई है कि हर नौ में से एक व्यक्ति किसी न किसी संक्रामक रोग से ग्रसित है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा भले ही ज्यादा बड़ा न लगे इसे कम नहीं आंकना चाहिए। यह मौसमी बीमारियों

और उभरते संक्रमणों के लिए एक चेतावनी हो सकती है। अगर हम इन्फेक्शन रेट में तिमाही बदलावों को ट्रैक करते रहें तो भविष्य में होने वाली महामारियों को समय पर रोका जा सकता है।

परीक्षण के दौरान इन पांच टाप पैथोजन का पता चला सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी वायरल इन्फेक्शन की पहचान करने की कोशिशों के तहत आइसीएमआर के तहत टेस्ट किए गए 4.5 लाख मरीजों में से 11.1 प्रतिशत में पैथोजन पाए गए।

विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के बाद घुसपैठियों, रोहिंग्यायों में

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा के बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्यायों में दहशत का माहौल है। सूत्रों के मुताबिक राज्य के सीमावर्ती इलाकों से बड़ी संख्या में घुसपैठिए बांग्लादेश भाग रहे हैं।

सीमा सुरक्षा बल सूत्रों के मुताबिक बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से पिछले चार दिनों में बांग्लादेश भागने की फिराक में करीब 400 घुसपैठिए धराए हैं। वहीं तीन महीने में आठ हजार से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है।

एसआईआर की घोषणा के कुछ माह पहले से ही बंगाल के सीमावर्ती इलाकों से बांग्लादेशियों का बांग्लादेश भागने का सिलसिला शुरू हो गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को यह डर सता रहा है कि अगर एसआईआर लागू हुआ, तो उन्हें बांग्लादेश भेजा जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक एसआईआर की घोषणा के बाद घरों में काम करने वाली अनेक महिलाएं बांग्लादेश चली गई हैं। सीमावर्ती जिलों उत्तर 24 परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद, मालदा के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में घरों में काम करने वाली महिलाएं बांग्लादेश भाग गई हैं। कई महिलाओं ने स्वीकार किया कि वे बांग्लादेश लौट रही हैं और बाद में वापस आएंगी।

बीरभूम जिले के इलमबाजार के कई लोगों ने बैंकों से अपनी सारी जमा राशि निकालनी शुरू कर दी है। इन्हें डर है कि अगर एसआईआर लागू हुआ, तो उनके बैंक खाते बंद हो सकते हैं। कई लोगों को यह डर सता रहा है कि अगर उनका नाम 2002 की मतदाता सूची में नहीं है, तो उन्हें बांग्लादेश भेजा जा सकता है।

वहीं एसआईआर के कथित डर से बीरभूम व उत्तर 24 परगना जिले में दो लोग कर आत्महत्या चुके हैं।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने हाई-टेक नर्सरी का किया निरीक्षण

नितिन कुमार सिंह, 1/11, बागपत। आज जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बागपत जिले के खेकड़ा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के परिसर में स्थापित हाई-टेक नर्सरी का निरीक्षण किया।

इस नर्सरी में मौसमी हरी सब्जियों और चिया बीज आदि की फसल तैयार की जा रही है। बैंगन, टमाटर, मिर्च जैसी सब्जियों की खेती यहां आधुनिक तकनीकों के साथ हो रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नर्सरी में बीज चयन, पौध तैयार करने की तकनीक और प्रसार के उपायों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आधुनिक बीज और नियंत्रित वातावरण में पौध तैयार करने से किसानों को बाजार-तैयार उत्पाद प्राप्त होंगे। इसके साथ ही चिया और अन्य हाई-टेक पौध उत्पादन के मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने पर बल दिया गया।

हाई-टेक नर्सरी तकनीकी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पहल है जहाँ वैज्ञानिक मापदंडों के अनुसार पौध तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा, बैंगन, टमाटर और मिर्च जैसी उच्च मांग वाली सब्जियों की खेती में इससे उत्पादकता बढ़ने की संभावना है, जिससे किसानों की आय में सुधार होगा।

इस दौरान कृषि उपनिदेशक विभाति चतुर्वेदी, जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक आदि मौजूद रहे।

बागपत में बनेंगे बर्तन बैंक, सामुदायिक कार्यक्रमों में खर्च और प्लास्टिक दोनों घटेंगे

नितिन कुमार सिंह, बागपत। जनपद में ग्रामीणों की आवश्यकता के दृष्टिगत एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल की शुरुआत हो रही है। ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक आयोजनों में प्लास्टिक और पत्तल-दोने के उपयोग को कम करना और गांव के लोगों को शादी-विवाह, जन्मदिन एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में सुविधा प्रदान करना है।

अब किसी ग्रामीण को अपने सामुदायिक, सामाजिक अथवा निजी कार्यक्रमों के लिए बर्तन खरीदने या किराए पर लेने की चिंता नहीं रहेगी क्योंकि ग्राम पंचायत का बर्तन बैंक उन्हें कम शुल्क पर यह उपलब्ध कराएगा।

बर्तन बैंक को ग्राम पंचायत खुद संचालित करेगी। बाजार शुल्क के आधे मूल्य पर बर्तन उपलब्ध होंगे, जिसमें खाना पकाने से लेकर परोसने तक के सभी बर्तन शामिल हैं। यह पहल प्रत्येक विकास खंड में लागू की जा रही है और इसके लिए प्रत्येक ब्लॉक से गांवों का चयन किया गया है। बागपत में ग्वालीखेड़ा, बड़ौत में मलकपुर, बिनौली में दाहा और निरपुड़ा, खेकड़ा में काठा, छपरौली में रमाला और पिलाना गांव को इस योजना में शामिल

किया गया है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल 03 नवंबर को ग्वालीखेड़ा से इस सामाजिक और पर्यावरणीय पहल का शुभारंभ करेंगी। यह बर्तन बैंक जिम्मेदारी का प्रतीक बनेगा और यह संदेश देगा कि सुविधा के बजाय जिम्मेदारी चुने।

आमतौर पर कार्यक्रमों में प्लास्टिक का प्रयोग इसलिए ज्यादा होता है क्योंकि उसमें खाना खाने के बाद उसे फेंकना आसान होता है जबकि प्लास्टिक में खाने के कई नुकसान हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। जब प्लास्टिक के बजाय बर्तन बैंक से बर्तन किराए पर लेंगे तो इससे जो ग्राम पंचायत को पैसा जाएगा वह हमारे गांव को बेहतर बनाने में ही खर्च होगा।

बर्तन बैंक में थाली, ग्लास, चम्मच, जग, परात, भगौने, बाल्टी, कुकर, सिल्वर टब और कलचे, पोनी, पलटे आदि शामिल हैं। इसे ग्राम पंचायत घर में स्थापित किया जाएगा, जहां से ग्रामीण आवश्यकतानुसार सामूहिक या निजी आयोजनों के लिए बर्तन ले सकेंगे। यह पहल न केवल खर्च कम करेगी बल्कि समाज में सहयोग और साझा उपयोग की भावना को भी मजबूत करेगी।

बागपत में वृहद रोजगार मेला

नितिन कुमार सिंह, बागपत। जनपद के युवाओं, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए एक बड़ा अवसर आ रहा है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में 12 नवंबर को सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज, बागपत में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला न केवल रोजगार प्रदान करने का माध्यम बनेगा बल्कि बागपत को आत्मनिर्भर और औद्योगिक दृष्टि से सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत भी करेगा। कुशल कार्मिकों और उद्यमियों, दोनों की चिंता का समाधान होगा।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि इस बार का मेला विशेष रूप से स्थानीय आवश्यकताओं पर केंद्रित है। इसके लिए जिला प्रशासन ने सेवायोजन विभाग, यूपीसीडी, उपायुक्त उद्योग, खाद्य सुरक्षा, लोक निर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, आयुष और स्वास्थ्य विभाग को मिलाकर एक संयुक्त कार्ययोजना तैयार की है। इसके अंतर्गत 50 से अधिक कंपनियों को रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इनमें बागपत औद्योगिक क्षेत्र, खेकड़ा, बड़ौत, अहेड़ा, ठिकौली, डूंडाहेड़ा, काठा आदि से स्थानीय कंपनियों के साथ-साथ अन्य शहरों की प्रमुख कंपनियां भी शामिल होंगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि रोजगार की तलाश में युवाओं को अब अपने जनपद से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि जिले में उपलब्ध उद्योगों और मानव संसाधन को जोड़कर स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित किए जाएं।

उन्होंने बताया कि इस पहल से जिले की औद्योगिक उत्पादकता और आर्थिक प्रवाह भी बढ़ेगा।

सेवायोजन विभाग के अनुसार अब तक विभिन्न क्षेत्रों जैसे फूड प्रोसेसिंग, होटल इंडस्ट्री, सिलाई, प्लास्टिक उद्योग, पैकेजिंग, कृषि उत्पाद, एक्सपोर्ट, वस्त्र उद्योग और बैंकिंग से आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन कंपनियों में मशीन ऑपरेटर, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर, अकाउंटेंट, बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव, केमिस्ट, हाउसकीपिंग, लैब एनालिस्ट, डिजाइनर और कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव सहित विभिन्न अन्य पदों के लिए भर्ती की जाएगी।

एक युवक ने दूसरे युवक पर हमला कर घायल कर दिया

नितिन कुमार सिंह, बागपत। शनिवार को बागपत में, दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाइवे पर एक हॉस्पिटल के पास किसी बात को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक पर हमला कर घायल कर दिया।

कोशिश करो

तैयार रहो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 0931242244



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

देश के लिए कुछ तो करना चाहते हैं नेता पतिपक्ष राहुल गांधी, देश की जनता बार-बार यही सोच रही

जीतन सहनी, बेगूसराय। देश की जनता के लिए कुछ तो करना चाहते हैं नेता पतिपक्ष राहुल गांधी, देश की जनता बार-बार यही सोच रही है। विधानसभा चुनाव प्रचार को लेकर देश के बड़े नेताओं का बिहार आने का सिलसिला जारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को बेगूसराय पहुंचे। जहां उन्होंने सभा को संबोधित करने के अलावा तालाब में उतरकर मछली पकड़ने के गुर भी सीखे। राहुल गांधी के साथ वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी भी थे। मछली पकड़ने के साथ ही राहुल गांधी ने मछुआरा साथियों से बात भी की और उनके काम से जुड़ी चुनौतियों और संघर्षों



पर चर्चा की।

वहीं चुनावी सभा में राहुल गांधी ने केंद्र और बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग दुनिया भर में आगे हैं लेकिन यहां पिछड़े हुए हैं। यहां की सरकार नहीं चाहती है कि बिहार के लोग आगे बढ़ें। वे यहां के लोगों की मदद नहीं करते। वे चाहते हैं कि यहां



के लोग मजदूरी करते रहे। उन्होंने कहा कि दुबई जैसा शहर भी बिहार के लोगों ने बनाया है लेकिन वे यहां कुछ नहीं कर पाते। राहुल गांधी ने कहा कि महागठबंधन की सरकार आएगी तो यहां बेहतर शिक्षा व्यवस्था की जाएगी। हम ऐसा विश्वविद्यालय खोलेंगे जहां दुनिया के लोग पढ़ने आएंगे। यहां के लोग दुनिया में



मेहनत कर उसे बनाते हैं। लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि यहां जो महागठबंधन की सरकार बनने वाली है वह हर धर्म, हर जाति की सरकार होगी। इसमें हर वर्ग के लिए जगह होगी और सभी का सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन जीत रहा है। मगर भाजपा पहले भी महाराष्ट्र में, हरियाणा में,

कर्नाटक चुनाव में भयंकर चोरी कर चुकी है। अभी भी वोटर लिस्ट से नाम मिटाए जा रहे हैं। बड़ी हेरफेर की जा रही है, अपने बूथों पर चौकने रहें और अपना वोट बचाएं। ये आपकी भी ज़िम्मेदारी है।

कांग्रेस सांसद ने दावा करते हुए कहा कि हमने अतिपिछड़ा वर्ग के लिए एक %स्पेशल मेनिफेस्टो% बनाया है, जिसे हम लागू करेंगे। हम सबको लेकर आगे बढ़ेंगे। किसी को यह सरकार पीछे नहीं छोड़ेगी। हमारी प्राथमिकता छोटे व्यापारी होंगे। केंद्र सरकार पर गलत जीएसटी लागू करने और नोटबंदी करने को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इससे छोटा व्यापार बंद हो गया।



अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी

दीपावली

मोवर्धन एवं भैया दूज

की

हार्दिक शुभकामनायें

संभावित प्रत्याशी

बागपत लोकसभा 2029

रूबी कश्यप

जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस पार्टी जनपद बागपत

पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा 2019 व 2024



श्री लव कश्यप

जिलाध्यक्ष जनपद-बागपत



सम्पादकीय.....

मुख्यमंत्री की दुर्घटना में जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों से मुलाकात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में नाव दुर्घटना में अपनों की जान गंवाने वाले पीड़ित परिवारों से रविवार को मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर चार-चार लाख रुपये की राहत राशि की चेक सौंपा। सीएम ने कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार और जनप्रतिनिधि उनके साथ खड़े हैं। पहले सीएम योगी ने हवाई सर्वे कर हालात का बारीकी से जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक माह के अंदर भरथापुर के पीड़ित परिवारों को विस्थापित किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख की राशि भी स्वीकृत कर दी। निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को धनराशि, जमीन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

भरथापुर के विस्थापित होने वाले सभी परिवारों को गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर विस्थापित किया जाए। इसके अलावा बहराइच में भरथापुर जैसे अन्य गांव के लोगों को भी विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाए और विस्थापन के लिए जरूरी बजट को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाए ताकि उन्हें भी सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके।

मुलाकात कर कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। हमारी सरकार और जनप्रतिनिधि हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। आश्वासन दिया कि एक माह के अंदर सभी गांववासियों को उनके गांव के नाम पर कॉलोनी को विकसित कर विस्थापित किया जाएगा, जहां पर उन्हें हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके दुख की इस घड़ी में सरकार संवेदना और सहयोग के साथ खड़ी है। इससे पहले सीएम योगी ने क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण भी किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों से बारीकी से घटना की जानकारी हासिल की। इस दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पीड़ित परिवारों समेत गांववासियों के लिए कॉलोनी बनाकर एक माह में व्यवस्थित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सभी आवश्यक सुविधाएं बिजली, पानी, सड़क और आवास सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस प्रक्रिया को एक महीने के अंदर पूरा कर लिया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों का पुनर्वास कार्य शीघ्र हो सके। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बहराइच में जो लोग घने जंगलों के बीच रहने के लिए मजबूर हैं, उन्हें तत्काल सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करने की व्यवस्था की जाए।

सीधी भर्ती लिखित परीक्षा में 58 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने छोड़ी

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। पुलिस उप निरीक्षक के साथ पुलिस सहायक उप निरीक्षक के 921 पदों पर सीधी भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा में 58 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने छोड़ दी। केवल 41.88 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने दस जिलों में लिखित परीक्षा आयोजित की थी। इस परीक्षा के लिए 77,079 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जबकि केवल 32,282 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। रविवार को हुई लिखित परीक्षा के लिए 186 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। अभ्यर्थियों

को आंखों के आयरिश व बायोमैट्रिक के आधार पर परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। साल्वर गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस की तरफ से व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए थे। सुबह 10 से 12.30 बजे तक एक पाली में आयोजित परीक्षा में कहीं से भी साल्वर गिरोह या नकल के मामले सामने नहीं आए हैं। पुलिस उप निरीक्षक के 268, पुलिस सहायक उप निरीक्षक के 449 और पुलिस सहायक उप निरीक्षक के 204 पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती के आरक्षण

विवाद पर अब सभी की नजर 18 नवंबर को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी है। रविवार को आरक्षण से प्रभावित याची अभ्यर्थियों ने बैठक की। बैठक में 50 से अधिक जिलों से अभ्यर्थियों ने मांग की कि 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में सरकार याची लाभ का प्रस्ताव पेश करे ताकि आरक्षण पीड़ितों को न्याय मिल सके।

पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप, संरक्षक भास्कर सिंह ने कहा कि यह मामला वर्ष 2020 से कोर्ट में लंबित है पिछले 15 महीनों में 24 से अधिक बार सुनवाई टल चुकी है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से बागवानी में आत्मनिर्भर बनाने का अवसर

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से युवाओं और किसानों को बागवानी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अवसर मिला है। वर्ष 2025-26 में 390 घंटे का निःशुल्क माली प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री और एक बार आने-जाने का किराया विभाग की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। आवेदन 10 नवंबर तक किसान प्रशिक्षण केंद्र राजकीय उद्यान आलमबाग लखनऊ में स्वयं जमा किए जा सकते हैं। चयन 'पहले आओ, पहले

पाओ' के आधार पर होगा।

राज्य के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि बागवानी और पौधशाला क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को तकनीकी ज्ञान देकर पौधशाला स्थापना और रोजगार सृजन के लिए सक्षम बनाया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न मंडलों के लिए प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अलग-अलग केंद्रों को सौंपी है। इच्छुक नागरिक अपने निकटतम केंद्र पर पंजीकरण करा सकता है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशक डॉ. भानु प्रकाश राम ने

बताया कि अभ्यर्थी की आयु एक जुलाई 2025 को 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा पांच उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।

www.kesharidarpan.com

पर रजिस्टर/लॉगिन करे।



सम्पादक सुभाष चंद
9837749557



अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी

आप सभी सम्मानित ग्रामवासियों को

धनतेरस, दीपावली

गोवर्धन पूजा

भैया दूज, गंगा स्नान

की

हार्दिक शुभकामनाएं



श्री लव कश्यप

जिलाध्यक्ष जनपद-बागपत

आदेश कुमार

मंडल अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी

पवन कश्यप

जिला सचिव कांग्रेस पार्टी

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इन लेखकों के विचारों से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बडौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: डा. प्रवीण कुमार, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)